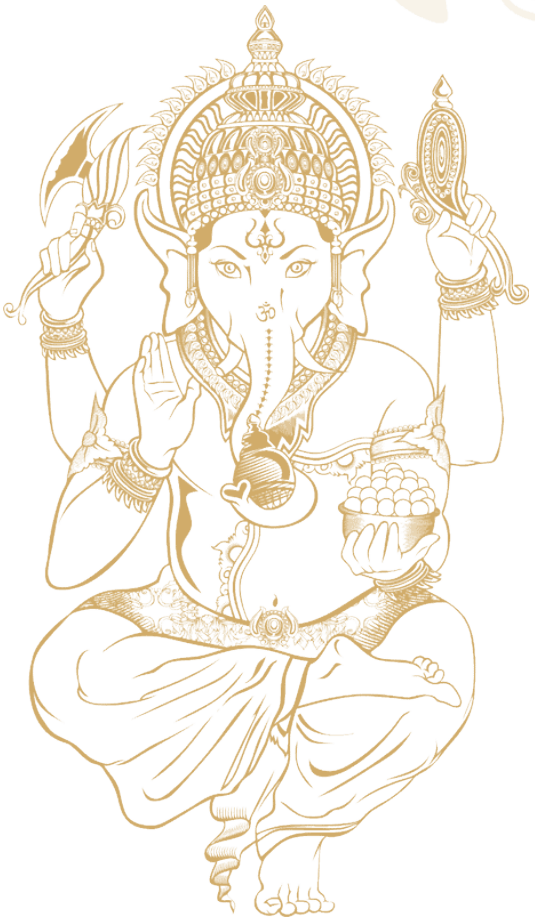

Mr.anupam

25 Sep 2025

10:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119464302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/09/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	40:47:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:08:19 घंटे
साम्पातिक काल	22:27:56 घंटे
सूर्योदय	06:11:07 घंटे
सूर्यास्त	18:13:58 घंटे
दिनमान	12:02:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:40:03 कन्या
लग्न के अंश	27:02:50 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:02:50	346:14:20	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कन्या	08:40:03	00:58:49	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			तुला	21:39:34	11:51:42	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			तुला	08:03:31	00:40:32	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध		अ	कन्या	18:21:47	01:40:00	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु			मिथु	27:34:04	00:08:03	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	13:20:57	01:13:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	03:56:44	00:04:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:03:13	00:02:31	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:03:13	00:02:31	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	07:05:16	00:00:58	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	06:28:47	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:13:43	00:00:30	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	10:56:13	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

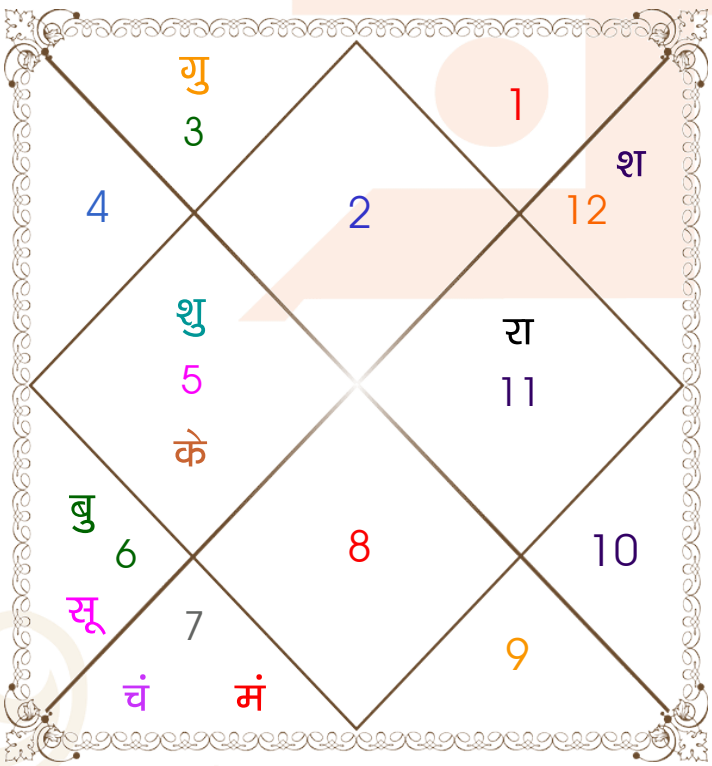

चन्द्र कुंडली

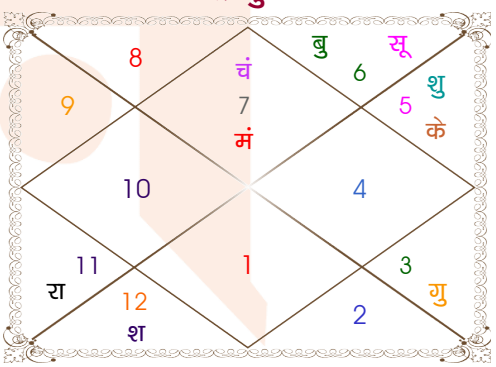

नवमांश कुंडली

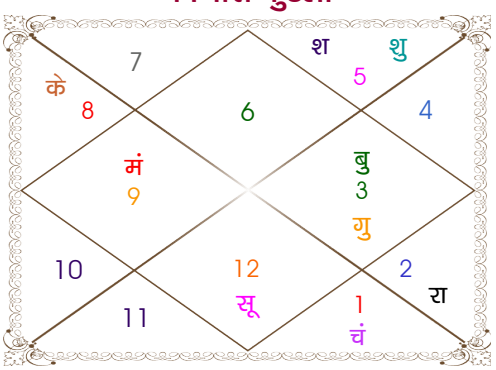

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 0 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/09/2025		29/09/2039		29/09/2058		29/09/2075		29/09/2082	
29/09/2039		29/09/2058		29/09/2075		29/09/2082		30/09/2102	
गुरु	16/11/2025	शनि	02/10/2042	बुध	25/02/2061	केतु	25/02/2076	शुक्र	28/01/2086
शनि	30/05/2028	बुध	11/06/2045	केतु	22/02/2062	शुक्र	26/04/2077	सूर्य	29/01/2087
बुध	05/09/2030	केतु	21/07/2046	शुक्र	23/12/2064	सूर्य	01/09/2077	चंद्र	28/09/2088
केतु	11/08/2031	शुक्र	20/09/2049	सूर्य	29/10/2065	चंद्र	02/04/2078	मंगल	29/11/2089
शुक्र	11/04/2034	सूर्य	01/09/2050	चंद्र	31/03/2067	मंगल	29/08/2078	राहु	28/11/2092
सूर्य	29/01/2035	चंद्र	02/04/2052	मंगल	27/03/2068	राहु	17/09/2079	गुरु	30/07/2095
चंद्र	30/05/2036	मंगल	12/05/2053	राहु	14/10/2070	गुरु	23/08/2080	शनि	29/09/2098
मंगल	06/05/2037	राहु	18/03/2056	गुरु	19/01/2073	शनि	02/10/2081	बुध	31/07/2101
राहु	29/09/2039	गुरु	29/09/2058	शनि	29/09/2075	बुध	29/09/2082	केतु	30/09/2102

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/09/2102		29/09/2108		30/09/2118		30/09/2125		30/09/2143	
29/09/2108		30/09/2118		30/09/2125		30/09/2143		00/00/0000	
सूर्य	17/01/2103	चंद्र	31/07/2109	मंगल	26/02/2119	राहु	12/06/2128	गुरु	26/09/2145
चंद्र	19/07/2103	मंगल	01/03/2110	राहु	16/03/2120	गुरु	05/11/2130		00/00/0000
मंगल	24/11/2103	राहु	31/08/2111	गुरु	19/02/2121	शनि	11/09/2133		00/00/0000
राहु	18/10/2104	गुरु	30/12/2112	शनि	31/03/2122	बुध	31/03/2136		00/00/0000
गुरु	06/08/2105	शनि	31/07/2114	बुध	28/03/2123	केतु	18/04/2137		00/00/0000
शनि	19/07/2106	बुध	30/12/2115	केतु	25/08/2123	शुक्र	18/04/2140		00/00/0000
बुध	25/05/2107	केतु	31/07/2116	शुक्र	24/10/2124	सूर्य	13/03/2141		00/00/0000
केतु	30/09/2107	शुक्र	31/03/2118	सूर्य	01/03/2125	चंद्र	12/09/2142		00/00/0000
शुक्र	29/09/2108	सूर्य	30/09/2118	चंद्र	30/09/2125	मंगल	30/09/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com